Total number of printed pages–4

Anandaram Dhekial Phookan College Library * Nagaon : Assam *
Acc. No.
Date

3 (Sem–2/CBCS) HIN HC 1

2025

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–2016

(Adikalin Ebam Madhyakalin Hindi Kabita)

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) कबीर की वाणी किस नाम से संगृहीत है?

(ख) कबीर के राम का स्वरूप कैसा है?

(ग) 'अभिनव जयदेव' की उपाधि किस कवि को मिली थी?

(घ) 'आखिरी कलाम' के रचयिता कौन हैं?

(ङ) सूरदास के साहित्य में किस रस की प्रधानता है?

(च) सूरदास के गुरु कौन थे?

(छ) 'रामचरितमानस' की रचना किस भाषा में की हुई है?

(ज) तुलसीदास के आराध्य देव कौन थे?

(झ) 'बिहारी सतसई' का मूल रस क्या है?

(ञ) घनानन्द के प्रेम का आलम्बन कौन हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नो के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए: 2×5=10

(क) विद्यापति के काव्य की *कोई दो* कलापक्षीय विशेषताएँ लिखिए।

(ख) कबीरदास की काव्य-भाषा क्या है? उनकी काव्य-भाषा में और किन बोलियों के शब्द मिलते हैं?

(ग) सूरदास-कृत *किन्हीं दो* ग्रंथों के नाम लिखिए।

(घ) पुष्पवाटिका में सीता किसके साथ किसकी पूजा करने गई थी?

(ङ) बादशाह ने घनानन्द को नगर से क्यों निकाल दिया था?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं चार* के संक्षिप्त उत्तर दीजिए: 5×4=20

(क) "बड़ सुख-सार पाओल तुझ तीरे।
छोड़इत निकट नयन वह नीरे।।"
—आशय स्पष्ट कीजिए।

Anandaram Dhekial Phookan College Library * Nagaon : Assam * Acc. No. Date

(ख) "कस्तूरी कुंडलि बसै मृग ढूंढै बन मांहि" — इस उद्धरण में निहित प्रतीक-संकेत को स्पष्ट कीजिए।

(ग) सूरदास के आराध्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(घ) जायसी की काव्य-भाषा पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ङ) पठित 'मानसरोदक खण्ड' में वर्णित साखियों का क्या प्रसंग था? — स्पष्ट कीजिए।

(च) "सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर।"—इस कथन की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक उत्तर दीजिए: 10×4=40

(क) पठित पदों के आधार पर कविवर विद्यापति की लोकप्रियता का मूल्यांकन कीजिए

अथवा

पठित साखी के आधार पर महात्मा कबीरदास के काव्य की भावपक्षीय विशेषताओं का आकलन कीजिए।

(ख) सूरदास की भक्ति-भावना पर सोधाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास विरचित 'पुष्पवाटिका प्रसंग' के प्रतिपाद्य पर आलोकपात कीजिए।

(ग) बिहारी की श्रृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पठित पदों के आधार पर घनानन्द की काव्यगत विशेषताओं पर आलोकपात कीजिए।

(घ) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तंत्रीनाद, कवित्त-रस, सरस राग, रति-रंग।
अनबूड़े बूड़े, तरे जे बूड़े सब अंग।।

अथवा

भा निरमल तिन्ह पायन्ह परसे। पारस रूप इहाँ लगि आई॥
मलय समीर वास तन आई। भा सीतल, गैतपनि बुझाई॥
न जनौं कौन पौन लेइ आवा। पुन्य दसा थै पाप गँवावा॥
ततखन हार वेगि उतिराना। पावा सखिन्ह चंद बिहँसाना॥

Anandaram Dhekial Phookan College Library * Nagaon : Assam *
Acc. No.
Date